देवघर
शुक्रवार, 5 मई 2023
वैशाख शुक्ल पूर्णिमा, विक्रम संवत् 2080
मूल्य ₹ 3.00 कुल पृष्ठ 12
आमंत्रण मूल्य ₹ 2.00
epaper.indianpunch.com
वर्ष: 42, अंक: 121, रजिस्ट्रेशन: 39728/84

संताल परगना से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक
इंडियन पंच
तल्ख दिखे, निष्पक्ष लिखे

उपराष्ट्रपति ने बुद्ध पूर्णिमा पर दी बधाई

नयी दिल्ली/एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रवासियों को बुद्ध पूर्णिमा की शुभकामनाएं देते हुए शुक्रवार को कहा कि यह दिन एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करता है, जहां सहानुभूति और सद्भाव हो। बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर यहां उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार धनखड़ ने कहा है कि बुद्ध पूर्णिमा गौतम बुद्ध की महान शिक्षाओं को प्रतिबिंबित करने का दिन है, जिन्होंने अपना जीवन विचारों और कर्मों में श्रेष्ठता की दिशा में मानवता का मार्गदर्शन करने के लिए समर्पित कर दिया। अहिंसा, सहिष्णुता और शांति का उनका संदेश सदियों से गूंजता रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं बुद्ध पूर्णिमा के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

विहिप और बजरंग दल ने पूरे कर्नाटक में ... 9

स्मारक पट्टिका अनावरण कार्यक्रम संपन्न, छात्रों ने की विशेष प्रार्थना सभा आयोजित

आसनसोल/संवाददाता। दिल्ली पब्लिक स्कूल आसनसोल में पूर्व प्रो. वायस चेयरमैन स्वर्गीय रमेश गोयनका की स्मृति में उनकी स्मारक चित्र पट्टिका का अनावरण कार्यक्रम बृहस्पतिवार को भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ सम्पन्न हुआ। चित्र पट्टिका का अनावरण वर्तमान प्रो. वायस चेयरमैन प्रतीक गोयनका के हाथों किया गया। कार्यक्रम में प्रो. वायस चेयरमैन प्रतीक गोयनका, संयोजिका दीप्ति घोष, समस्त अध्यापक गण, कार्यालय कार्यकर्ता तथा छात्रों ने भाग लिया। सभी ने गोयनका को भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके द्वारा निर्दिष्ट मार्ग का अनुसरण करने के संकल्प की प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रतीक गोयनका ने नश्वर संसार की क्षणभंगुरता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से अपने माता -पिता का सदैव आदर और सम्मान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उनसे बढ़कर शुभचिंतक कोई नहीं हो सकता। छात्रों ने विशेष प्रार्थना सभा आयोजित कर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दे श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सुमधुर गीत की प्रस्तुति ने विद्यालय परिसर को भाव विभोर कर दिया। संयोजिका दीप्ति घोष ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर कहा कि जिस समय उन्होंने इस संस्था में कार्यभार संभाला तो यहां की सुव्यवस्था को देख हतप्रभ थी, जब नेतृत्व की डोर कुशल हाथों में हो तो इस प्रकार के सुफल की प्राप्ति निश्चित है। उन्होंने कहा कि विद्यालय की प्रगति

में मार्गदर्शक रमेश गोयनका का जो योगदान रहा, उसी का परिणाम है कि आज हम शिक्षा के क्षेत्र में, समाजोत्थान रूपी हवन में अपने हिस्से की आहुति देने में समर्थ हो रहे हैं। विद्यालय में संपादित हो रहे विभिन्न कार्यक्रम उनके द्वारा देखे गए सपनों का साकार रूप है। भविष्य में हमें और अधिक उत्साह एवं जोश के साथ इस उन्नति में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में स्वयं को प्रस्तुत करने के लिए तत्पर रहना है। हम सभी उनके पदचिह्नों पर चल अपना शत-प्रतिशत दें, निरंतर विद्यालय की प्रगति में सदैव अपना योगदान देते रहेंगे।